शेख़ फ़रीद – सबद ९७
एनी लोइणी देखदिआ केती चलि गई ॥
सलोक, सेख फरीद, गुरु ग्रंथ साहिब, १३८२

एनी लोइणी देखदिआ केती चलि गई ॥
सलोक, सेख फरीद, गुरु ग्रंथ साहिब

सार: अस्थिरता और क्षति केवल काल्पनिक अवधारणाएँ नहीं हैं, वह हमारे रोज़मर्रा के जीवन का अभिन्न अंग हैं जो हमें छुपे और खुले, दोनों तरह से ही प्रभावित करती हैं। फिर भी, हम अक्सर अपनी दिनचर्या इस तरह जीते हैं, मानो स्थिरता एक निश्चित बात हो और बदलाव कभी-कभार ही होता हो। हम सार्थक चिंतन को टालते रहते हैं और इस बात को कम आँकते हैं कि हमारा समय वास्तव में कितना कम है। अक्सर किसी बड़े बदलाव या किसी हानि का सामना करने के बाद ही हम उस वास्तविकता को देख पाते हैं जो हमेशा से हमारे आस-पास मौजूद रही है। असली चुनौती केवल अस्थिरता को बौद्धिक रूप से समझने में नहीं है बल्कि जब तक हमारे पास अवसर है तब तक इसे पूरे मन से स्वीकार करने में है।

एनी लोइणी देखदिआ केती चलि गई ॥
इन आँखों से मैंने अनेक लोगों को जाते हुए देखा है। यह दर्शाता है कि नश्वरता और क्षति कोई दूर की बात नहीं हैं, वह रोज़मर्रा की सच्चाई हैं फिर भी हम अक्सर ऐसा व्यवहार करते हैं मानो उनका हम पर कोई असर ही न पड़ता हो।

सलोक, सेख फरीद, गुरु ग्रंथ साहिब
फ़रीद कहते हैं कि जीवन में हर किसी व्यक्ति का अपना-अपना पल होता है, और यह समय का पल मेरा अपना ही है। यह इस सच्चाई को उजागर करता है कि हममें से हर किसी को अनुभव करने के लिए एक अनोखी यात्रा मिली है। (९४)

तत्त्व: शेख़ फ़रीद एक दिलचस्प विरोधाभास प्रस्तुत करते हैं, हममें से हर कोई ऐसी यात्रा पर होता है जो पूरी तरह से उसकी अपनी होती है। हालाँकि हम एक ही दुनिया में रहते हैं और समान घटनाओं का सामना करते हैं, फिर भी हमारी व्याख्याएँ और अंतर्दृष्टि अलग-अलग होती हैं। हर व्यक्ति के अनुभव अपने ही ढंग से सामने आते हैं और कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति की समझ या अनुभूति को पूरी तरह से अपनाकर, आत्मसात नहीं कर सकता। इस अर्थ में, जीवन साँझा स्थान में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने की प्रक्रिया है जिसे विविध दृष्टिकोणों द्वारा आकार मिलता है जो हमारे सामूहिक अनुभव में योगदान देते हैं।

सबद व्याख्या **विनइंदर कौर** और **अमरदीप सिंह**

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com